विद्या भारती संकुल संवाद

नवंबर 2025
कार्तिक – मार्गशीर्ष
विक्रमी संवत 2082

“सा विद्या या विमुक्तये”

आईआईटी दिल्ली में टेकाथॉन–2025

नवाचार, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत संगम

विशेष

- 36वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह
- राधा कृष्ण विद्या निकेतन में भूमि पूजन: निर्माण नहीं, भविष्य का संकल्प
- पुस्तक विमोचन : “हिन्द की चादर”, “जनजाति गौरव बिरसा मुंडा”
- 23वाँ अखिल भारतीय विज्ञान मेला : उत्तर क्षेत्र बना ओवरऑल चैंपियन
- विद्या भारती का अखिल भारतीय संस्कृति मेला
- श्रीमती बैनिंग बिस्वकर्मा जेरांग को जनजातीय गौरव सम्मान 2025
- जनजाति गौरव दिवस पर पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति का भव्य आयोजन
- विद्या भारती का गौरव: चिकित्सा सेवा में राजस्थान के पूर्व छात्र

आईआईटी दिल्ली में टेकाथॉन–2025

नवाचार, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत संगम

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य

छात्रों में रचनात्मकता, नवाचार, और अनुसंधान के अवसर बढ़ाना।
सामाजिक समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान तैयार करना।
छात्रों को IIT दिल्ली जैसी शीर्ष संस्थाओं की लैब और रिसर्च संस्कृति से जोड़ना।

नई दिल्ली | आईआईटी दिल्ली में 18 से 21 नवंबर तक आयोजित टेकाथॉन–2025, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान एवं उन्नत भारत अभियान (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)(UBA) के संयुक्त तत्वावधान में तथा AICTE एवं नीति आयोग के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम विद्यार्थियों में नवाचार, अनुसंधान और समाजोपयोगी तकनीकी समाधान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

मुख्य वक्ता

- **प्रो. टी. जी. सीताराम – अध्यक्ष, AICTE**
- **श्री वीरेंद्र कुमार विजय – राष्ट्रीय समन्वयक, UBA**
- **श्री सुमन पंडित – NITI आयोग**
- **डॉ. रामकृष्ण राव – उपाध्यक्ष, विद्या भारती**
- **श्री देशराज शर्मा – महासचिव, विद्या भारती**
- **श्री गोविंद चंद्र महंत – संगठन मंत्री, विद्या भारती**
- **श्री दीपक श्रीवास्तव – निदेशक, IIM रांची**

कार्यक्रम का शुभारंभ छात्र गतिविधि केंद्र (SAC) में नवाचार प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुआ, जिसके पश्चात आईआईटी दिल्ली के डोगरा हॉल में औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य आकर्षण

- **चार दिवसीय राष्ट्रीय इनोवेशन कार्यक्रम का आयोजन IIT दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न।**
- **कार्यक्रम में AICTE, NITI आयोग, विद्या भारती, और UBA के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित।**
- **देशभर से 100 चयनित छात्र सहभागी, जिन्होंने भविष्य आधारित तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए।**

जारी ...

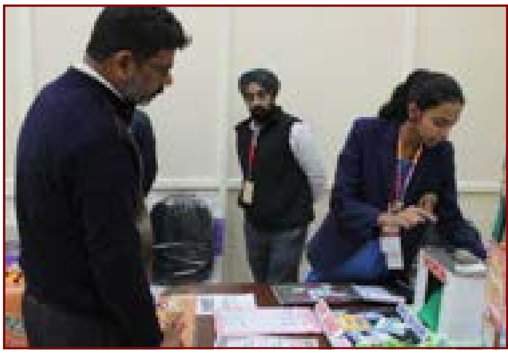

उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि

उद्घाटन समारोह में प्रो. टी. जी. सीताराम (अध्यक्ष, एआईसीटीई), श्री वीरेंद्र कुमार विजय (यूबीए), श्री सुमन पंडित (नीति आयोग), डॉ. रामकृष्ण राव (उपाध्यक्ष, विद्या भारती), श्री देशराज शर्मा जी (महामंत्री, विद्या भारती) और डॉ. रवींद्र कन्हेरे (अध्यक्ष, विद्या भारती), श्री गोविंद चंद्र महंत जी (संगठन मंत्री, विद्या भारती), श्री आर. पी. खेतान जी (उपाध्यक्ष, विद्या भारती), नितिन चौबे, सुश्री मीता (यूबीए), सुश्री अरुणिमा थापा (एआईएम) और सुश्री गीता अरोड़ा तथा अन्य राष्ट्रीय स्तरीय प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भी उपस्थिति रहे।

नवाचार प्रदर्शनी और शोध अनुभव

देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 100 छात्र प्रतिभागियों ने अपशिष्ट प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा तकनीक, 3D इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों को IIT Delhi की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं—मेकरस्पेस, रोबोटिक्स, बैलिस्टिक्स, फिजिक्स, बायोगैस एवं डिज़ाइन लैब—का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने शोधकर्ताओं और फैकल्टी सदस्यों से संवाद कर उन्नत तकनीकी समाधान समझे।

जारी...

मुख्य गतिविधियाँ

- इनोवेशन प्रदर्शनी
- स्वास्थ्य व AI
- अपशिष्ट प्रबंधन
- 3D मॉडलिंग एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर
- रक्षा एवं शिक्षा तकनीक

समुदाय आधारित शिक्षण का अनुभव

कार्यक्रम का एक विशेष घटक UBA के अंतर्गत सामुदायिक संपर्क अभियान था। छात्रों ने कनक दुर्गा एवं आंबेडकर बस्ती का दौरा कर वास्तविक समस्याओं का अध्ययन किया तथा स्मार्ट डस्टबिन, जलभराव सेंसर और डिजिटल शिक्षण समाधान जैसे तकनीकी प्रस्तावों की प्रस्तुति की। इन प्रस्तावों का मूल्यांकन IIT Delhi के विशेषज्ञों ने किया।

लैब विज़िट

- छात्रों ने निम्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का अनुभव किया–

1. Robotics Lab
2. MakerSpace Lab
3. Biogas Lab
4. Physics & Sensor Lab
5. Ballistics Lab

विशेष शैक्षिक सत्र

- Design Thinking
- सहायक तकनीक (Assistive Technology)
- स्टार्टअप एवं उद्यमिता मार्गदर्शन
- अनुसंधान विधि एवं प्रोटोटाइप निर्माण

जारी ...

पुरस्कार और समापन

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री दीपक श्रीवास्तव (निदेशक, IIM रांची) ने प्रतिभागियों को "समस्या समाधानकर्ता से समाज के लिए सेवा उत्पन्न करने वाले नवप्रवर्तक बनने" का संदेश दिया।

विशेष सत्रों में डिजाइन थिंकिंग, स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं सहायक प्रौद्योगिकियों पर IIT Delhi के प्राध्यापकों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। पुरस्कार वितरण —

- 10 विद्यार्थियों को प्रथम पुरस्कार: ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं ₹10,000 नकद।
- 10 विद्यार्थियों को द्वितीय पुरस्कार: ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं ₹5,000 नकद।
- शेष सभी प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

मुख्य घोषणाएँ

- **सभी 100 नवाचारों को शामिल करते हुए एक कॉफी टेबल बुक तैयार की जाएगी।**
- **अगले वर्ष टेकाथॉन–2026 की आधिकारिक घोषणा पोस्टर अनावरण के साथ की गई।**

समापन अवसर पर टेकाथॉन–2026 के पोस्टर का अनावरण किया गया और कार्यक्रम वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ सम्पन्न हुआ।

टेकाथॉन का उद्देश्य अटल टिंकरिंग लैब (ATL) से जुड़े छात्रों को शोध-आधारित विचारों और भविष्य उन्मुख तकनीकी नवाचारों के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना रहा।

भूमि-पूजन समारोह — एक नया शुभारंभ

राधा कृष्ण विद्या निकेतन में भूमि पूजन: निर्माण नहीं, भविष्य का संकल्प

राधा कृष्ण विद्या निकेतन, पुष्प विहार में 21 नवंबर 2025 को नवनिर्मित विद्यालय भवन हेतु भूमि-पूजन का शुभ समारोह श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम विद्यालय के व्यवस्थापक श्री दीपक नैयर जी तथा प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका भटनागर जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

भूमि पूजन के कार्यक्रम में मुख्य रुप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी की उपस्थिति रही व अन्य विशिष्ट अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

श्री राजेंद्र प्रसाद जी खेतान, सपरिवार (उपाध्यक्ष अ० भा० विद्या भारती), श्री गोबिंद चंद्र जी महंत (संगठन मंत्री अ० भा० विद्या भारती), श्री देशराज जी शर्मा, (महामंत्री अ० भा० विद्या भारती), श्री अवनीश भटनागर जी(उपाध्यक्ष, विद्या भारती), श्री अशोक पाल जी (संरक्षक, उत्तर क्षेत्र), श्री सुखराज सेतिया जी(अध्यक्ष, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र एवं दिल्ली प्रांत), श्री विजय नड्डा जी (संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र), श्री बालकिशन जी(सह-संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र), सतीश महेश्वरी जी(महामंत्री, दिल्ली प्रांत), श्री सचिन जैन जी(कोषाध्यक्ष, विद्या भारती दिल्ली), केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य और विभागों के अध्यक्ष , दक्षिणी विभाग की मंत्री अंजलि गुप्ता जी व अन्य विभागों के मंत्री व अन्य विशिष्ट अतिथिगण और अन्य विद्या भारती विद्यालयों के कई प्रधानाध्यापकों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को गौरवान्वित किया।

दीप प्रज्वलन, विद्यालय प्रार्थना एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद अतिथियों का मानवंदन किया गया तथा विद्यालय की प्रस्तावित भवन योजना प्रस्तुत की गई।

श्री अवनीश भटनागर जी एवं मुख्य अतिथि डॉ. कृष्ण गोपाल जी के प्रेरक संबोधनों ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षक वर्ग में नव ऊर्जा और विश्वास का संचार किया।

श्री राजेंद्र प्रसाद खेतान जी एवं परिवार द्वारा वैदिक रीति से भूमि-पूजन और हवन सम्पन्न हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक और पवित्र भाव से अभिभूत हो उठा।

अंत में धन्यवाद एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। लगभग 250–300 उपस्थित जनों ने इस विशिष्ट क्षण के साक्षी बनकर इसे अविस्मरणीय बनाया।

यह भूमि-पूजन समारोह विद्यालय के विकास, विस्तार और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

“हिन्द की चादर”
गुरु तेग बहादुर जी पर पुस्तक का लोकार्पण

गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर विशेष पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली | गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ पर लिखित पुस्तक “हिन्द की चादर — नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी” का लोकार्पण 16 नवम्बर को केशवकुंज, झंडेवालान में किया गया। पुस्तक के लेखक डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने गुरु जी के त्याग, बलिदान और ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री सरदार रवनीत सिंह बिट्टू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

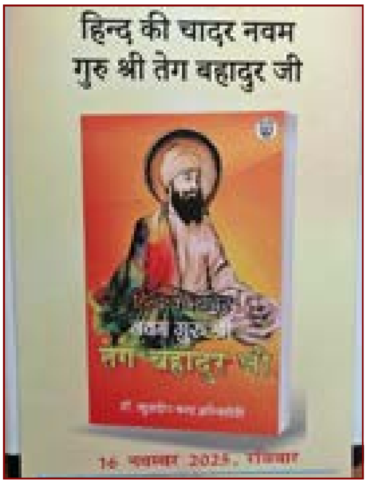

श्री भारत भूषण जी (अ. भा. सह संपर्क प्रमुख) और श्री आशीष सूद जी (कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार) विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता प्रो. जगबीर सिंह (कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बटिंडा) ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन-दर्शन का प्रेरक विश्लेषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्या भारती दिल्ली प्रचार विभाग से डॉ. शैलेश भारद्वाज एवं श्री मंगेश बापट भी उपस्थित रहे।

पुस्तक विमोचन — “जनजाति गौरव बिरसा मुंडा”

भोपाल | भगवान बिरसा मुंडा की सार्धशती के अवसर पर उनके जीवन और योगदान पर आधारित शोधपरक पुस्तक "जनजाति गौरव बिरसा मुंडा" का विमोचन विद्या भारती मध्यभारत प्रांत कार्यालय प्रज्ञादीप, भोपाल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे—

- मा. श्री अशोक पांडे जी — प्रांत संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
- श्री विश्वास कैलाश सारंग जी — मंत्री, मध्यप्रदेश शासन
- डॉ. खेमसिंह डेहरिया जी — अध्यक्ष, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग
- श्री अशोक कड़ेल जी — संचालक, हिंदी ग्रंथ अकादमी
- श्री निखिलेश महेश्वरी जी — लेखक एवं संगठन मंत्री, विद्या भारती मध्य भारत

कार्यक्रम में अनेक शिक्षाविदों, गणमान्य नागरिकों, आचार्यों एवं छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन श्री शिरोमणि दुबे जी ने किया।

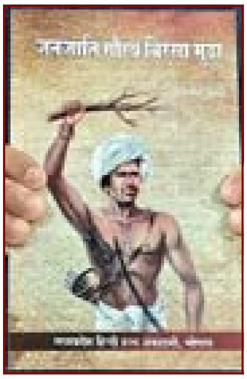

23वाँ अखिल भारतीय विज्ञान मेला

उत्तर क्षेत्र बना ओवरऑल चैंपियन

मेरठ | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 23वां अखिल भारतीय विज्ञान मेला 13 से 16 नवंबर 2025 तक बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेरठ में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी, मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के उप-मुख्य मंत्री श्री ब्रजेश जी पाठक, अध्यक्षता श्री रवीन्द्र कान्हेरे जी, अखिल भारतीय अध्यक्ष, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान सान्निध्य श्री गोविन्द चन्द्र महंत विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठनमंत्री, एवं श्री कमल किशोर सिन्हा अखिल भारतीय मंत्री, श्री सोमेन्द्र तोमर जी, ऊर्जा मंत्री, उत्तरप्रदेश सरकार, अति विशिष्ट अतिथि, विशेष आमंत्रित के रूप में श्री वरुण अग्रवाल जी, एडिको कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर समारोह की गरिमा बढ़ाई।

विज्ञान वार्ता में विज्ञान के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, विमान संचारक, विद्या भारती के पूर्व छात्र डॉक्टर चन्द्र मोहन नौटियाल ने विद्यार्थियों के साथ परस्पर वार्तालाप में विज्ञान सम्बन्धि जानकारियाँ साझा की। प्रश्नोत्तर में उन्होंने बच्चों के जिज्ञासाओं का समाधान किए। उन्होंने सुरुचिपूर्ण ढंग से विज्ञान की बारिकियों को प्रतिभागियों को सरल ढंग से समझाया। मेले में विज्ञान मॉडल, विज्ञान प्रयोग, प्रश्न मंच और पेपर प्रजेंटेशन जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोनिक हैंड और ई-व्हीकल से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए। देशभर से आए 296 बाल वैज्ञानिकों, 112 निर्णायकों और 136 संरक्षक आचार्यों ने इस आयोजन में भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्तर क्षेत्र प्रथम, पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वितीय, तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश तृतीय स्थान पर रहा।

समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

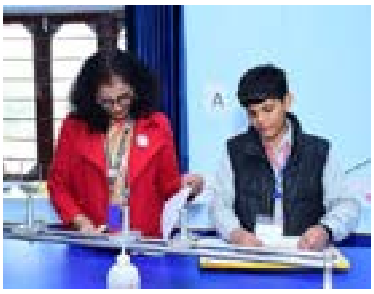

अखिल भारतीय गणित मेला 2025

जालंधर | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गणित मेला 2025 का सफल आयोजन 06 से 09 नवम्बर तक सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, जालंधर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती, ॐ व भारत माता के चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

मेले की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए अखिल भारतीय वैदिक गणित संयोजक श्री देवेन्द्र राव देशमुख ने कार्यक्रम के उद्देश्य, प्रतियोगिताओं एवं पिछले वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस वर्ष आयोजित प्रतियोगिताओं में वैदिक गणित प्रश्न मंच, गणित प्रदर्श, प्रयोग, छात्रों व आचार्यों की पेपर प्रस्तुति शामिल रही।

उद्घाटन सत्र में श्री गोविन्द चन्द्र महंत (अखिल भारतीय संगठन मंत्री), अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा, तथा उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक संबोधन में श्री महंत जी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में पुनः स्थापित हो रही है और वैदिक गणित इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वहीं श्री देशराज शर्मा ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, चिंतन और नवीन प्रयोग अपनाने का संदेश दिया।

गणित वार्ता के अंतर्गत प्रो. अमरबर खटुआ (ओड़िसा) द्वारा "भारत में गणित की उज्ज्वल परम्परा" विषय पर प्रबोधन कराया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों गिद्धा, भांगड़ा, भारतनाट्यम और रामकथा नाट्य मंचन ने सभी का मन मोह लिया।

इस गणित मेले में देशभर से कुल 329 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें 147 भैया, 96 बहनें, 68 संरक्षक और 14 विषय संयोजक शामिल रहे।

प्रतियोगिता परिणाम में पश्चिम उत्तर प्रदेश ने प्रथम, उत्तर क्षेत्र एवं पूर्व क्षेत्र ने संयुक्त रूप से द्वितीय, तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश और दक्षिण मध्य क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर श्री देवेन्द्र राव देशमुख ने प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का सानंद समापन हुआ।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक

नाहरलागुन | अरुणाचल शिक्षा विकास समिति (ASVS) द्वारा एएसवीएस कार्यालय, पाचिन कॉलोनी, नाहरलागुन में दो दिवसीय विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत नवनिर्मित एएसवीएस कॉन्फ्रेंस हॉल के उद्घाटन के साथ हुई, जिसका शुभारंभ श्री गोविंद चन्द्र महंत जी, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, विद्या भारती द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री ताई तगक जी, संरक्षक, एएसवीएस विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में श्री गंगा प्रसाद प्रसैन जी (अध्यक्ष, VBPK), श्री जगदिन्द्र रायचौधरी जी (महामंत्री, VBPK), डॉ. पवन तिवारी जी (संगठन मंत्री, VBPK) सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। दो दिवसीय सत्रों के दौरान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पंचपदी अधिगम पद्धति, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण तथा मूल्याधारित शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक का समापन पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी विद्या भारती संस्थानों में संस्कृति-आधारित, समग्र एवं मूल्यपरक शिक्षा को और अधिक सशक्त एवं व्यापक रूप से लागू करने के संकल्प के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री खंडू बोले— विद्या भारती का कार्य अनुकरणीय

मूल्य आधारित शिक्षा को सशक्त बनाने में विद्या भारती विद्यालयों की भूमिका सराहनीय: मुख्यमंत्री खंडू

ईटानगर | अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खंडू ने विद्या भारती विद्यालयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये संस्थान छात्रों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का उत्कृष्ट विकास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत और विद्या भारती अरुणाचल इकाई के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान की। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषा के प्रोत्साहन और मूल्य आधारित शिक्षा को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। खंडू ने आश्वस्त किया कि सरकार ऐसे शैक्षणिक मॉडलों को निरंतर समर्थन देगी, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रोत्साहित करते हैं।

बैठक में विद्या भारती अरुणाचल प्रदेश के संरक्षक ताई टागक, अरुणाचल शिक्षा विकास समिति के सचिव तुमगे लोल्लेन एवं राज्य समन्वयक सुकुमारन के भी उपस्थित रहे।

बैठक का समापन अरुणाचल प्रदेश में मूल्य आधारित शिक्षा को नई दिशा एवं गति देने के संकल्प के साथ हुआ।

36वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह

तीरंदाजी खेलकूद समारोह

कुरुक्षेत्र | गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र में आयोजित 36वें अखिल भारतीय तीरंदाजी खेलकूद समारोह का भव्य उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पद्मश्री तीरंदाज हरविंदर सिंह धंजु द्वारा दीप प्रज्वलन से किया। कार्यक्रम में देशभर से 300 खिलाड़ी ने भाग लिया। मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त श्री जीवनजोत सिंह तेजा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, "उत्तम लक्ष्य और सतत अनुशासन सफलता की कुंजी है।"

पद्मश्री हरविंदर सिंह धंजु ने कहा, "एकाग्रता, अभ्यास और गुरुजनों का सम्मान हमें लक्ष्य तक पहुँचा देता है।" उनके उद्घोष के साथ प्रतियोगिता का विधिवत आरंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री सुरेंद्र पाल जी ने कहा कि तीरंदाजी भारतीय परंपरा की विरासत है और विद्या भारती विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास का मंच प्रदान करती है।

कबड्डी खेलकूद समारोह

बैतूल | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन में भारत भारती आवासीय विद्यालय परिसर में आयोजित 36वें अखिल भारतीय खेल महोत्सव अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ में मुख्य अतिथि श्री राकेश गुप्ता (IPS), संचालक — खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश ने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि श्री जितेंद्र सिंह परिहार एवं मुख्य वक्ता श्री निखिलेश महेश्वरी के मार्गदर्शन ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

जारी ...

समारोह में स्थानीय विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने देशभर से आए खिलाड़ियों और अतिथियों की खूब सराहना बटोरी। इस अवसर पर नर्मदापुरम के आईजी श्री मिथलेश शुक्ल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, निर्णायकगण और विभिन्न राज्यों से पहुँचे प्रतियोगी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल खेल प्रतिभा का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभावना, संस्कार और चरित्र निर्माण को सुदृढ़ करना है।

बास्केटबॉल एवं जिम्नास्टिक प्रतियोगिता

बरेली | ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइन्स में विद्या भारती द्वारा आयोजित 36वीं अखिल भारतीय बास्केटबॉल एवं जिम्नास्टिक प्रतियोगिता के उद्घाटन में देशभर के 9 क्षेत्रों से आए लगभग 400 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक उपस्थिति दर्ज की।

मुख्य अतिथि मा. सत्येन्द्र सिंह (अपर सचिव, उ.प्र. बोर्ड) ने खिलाड़ियों को सफल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में मा. हेमचन्द्र (क्षेत्रीय संगठन मंत्री), डॉ. बी.के. कश्यप (अध्यक्ष) और मा. शरद गुप्त (विशिष्ट अतिथि) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, दीप प्रज्ज्वलन और खिलाड़ियों का शपथ ग्रहण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बॉयज हाई स्कूल में जिमनास्टिक और अमिताभ बच्चन स्पोटर्स कॉम्प्लैक्स में बास्केटबॉल खेला गया।

प्रतियोगिता राष्ट्रव्यापी स्तर पर प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन प्रमुख आयु वर्गों में खेली गई।

जिमनास्टिक में कुल 52 भैया बहिनों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने अपनी लचीलता, संतुलन और कलात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन किया। बास्केटबॉल में कुल 285 भैयाओं ने हिस्सा लिया।

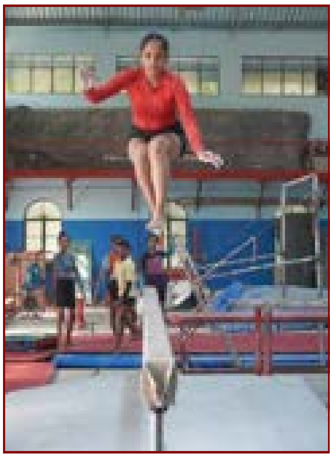

जारी ...

शूटिंग प्रतियोगिता

साहिबाबाद | 36वीं राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ 21 नवंबर को स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, राजेंद्र नगर में हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत के सात क्षेत्रों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि व वक्ताओं ने विद्यार्थियों को मोबाइल से दूरी बनाकर लक्ष्य-केन्द्रित अभ्यास एवं राष्ट्रहित में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय की नवनिर्मित 'एकलव्य शूटिंग रेंज' का भी उद्घाटन किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें सर्वाधिक सफलता पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने प्राप्त की और ओवर ऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

मुख्य उपलब्धियाँ :

पश्चिमी उत्तर प्रदेश — ओवरऑल चैंपियनशिप विजेता, बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर, शास्त्री नगर, 26 स्वर्ण, 3 रजत, 9 कांस्य पदक।

स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर के 9 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और योग्यता के आधार पर अगली प्रतियोगिता SGFI में भाग लेने हेतु चयन किया गया। अंत में कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

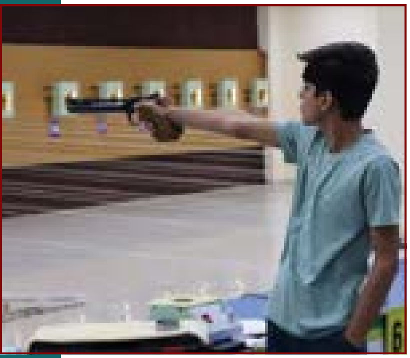

एथलेटिक्स खेलकूद समारोह

हासन (कर्नाटक) | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 36वां अखिल भारतीय एथलेटिक खेलकूद समारोह 31 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2025 तक मंगलोर पब्लिक स्कूल, मंगलोर केंद्रीय विद्यालय और मंगलोर इंग्लिश मीडियम स्कूल, हासन के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह 1 नवम्बर को हासन जिला स्टेडियम में हुआ, जहां श्री सोमशेखर शिवाचार्य स्वामी जी, विधायक श्री एच.पी. स्वरूप प्रकाश तथा श्री लक्ष्मीकांत जी ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अखिल भारतीय खेल संयोजक श्री मुखतेज सिंह बदेशा ने आयोजन की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को प्रतियोगिता संरचना, नियमों तथा

जारी ...

पिछले वर्ष की उपलब्धियों से अवगत कराया। इसके पश्चात विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने क्षेत्रीय ध्वज सहित अनुशासनबद्ध अभिवादन संचलन किया।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों का मन मोह लिया ।

क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

2 व 3 नवम्बर को निर्धारित खेलों—दौड़, लंबीकूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक व रिले रेस—का आयोजन 14 वर्ष, 17 वर्ष और 19 वर्ष से कम आयु वर्गों में किया गया। विशेषज्ञ निर्णायकों की देखरेख में प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं।

परिणाम एवं विशेष उपलब्धियाँ

सबसे अनुशासित क्षेत्र:

- पूर्वोत्तर — प्रथम

अभिवादन संचलन:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश — प्रथम

वंदना प्रतियोगिता:

- पूर्वोत्तर — प्रथम

वार्षिक गीत प्रतियोगिता:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश — प्रथम

समग्र प्रदर्शन के आधार पर पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र का सम्मान प्रदान किया गया।

समापन समारोह

समापन समारोह की अध्यक्षता श्री परमेश्वर हेगड़े ने की। इस अवसर पर विद्या भारती के वरिष्ठ अधिकारी—मा. श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, श्री देशराज शर्मा, श्री श्रीराम आरावकर, श्री हेमचंद्र तथा श्री चन्द्रराज जैन—उपस्थित रहे।

इस आयोजन में 768 खिलाड़ी, 94 निर्णायक, 20 अधिकारी, 193 संरक्षक शिक्षक और लगभग 150 सहयोगी शामिल रहे। कुल मिलाकर 1225 प्रतिभागियों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता

धनबाद । विद्या भारती उत्तरपूर्व क्षेत्र द्वारा आयोजित 36वीं अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का सफल आयोजन विद्या विकास समिति, झारखंड के आतिथ्य में सरस्वती विद्या मंदिर, भूली नगर, धनबाद में किया गया।

प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 72 खिलाड़ियों का चयन आगामी स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। पश्चिम उत्तर प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय खेल परिषद् के सचिव श्री कृपाशंकर शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा,“खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साधना है। जो खिलाड़ी इसे अनुशासन और तपस्या की तरह अपनाता है, वही विजयी होता है।”

स्थानीय सांसद श्री ढुल्लू महतो ने इस अखिल भारतीय आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि धनबाद में देशभर के खिलाड़ियों का एकत्र होना क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया।

मध्यक्षेत्र की स्तरानुसार शैक्षिक परिषदों की क्षेत्रीय कार्यशाला

उज्जैन। विद्या भारती मध्यक्षेत्र मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की योजनानुसार स्तरानुसार शैक्षिक परिषदों की क्षेत्रीय कार्यशाला सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शैक्षिक अनुसंधान केंद्र, मालवा में हुआ। चार दिवसीय कार्यशाला 27 से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित की गई।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री माननीय श्रीराम जी अरावकर, अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा एवं क्षेत्रीय मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह परिहार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

उद्घाटन सत्र में माननीय श्रीराम जी अरावकर एवं श्री देशराज शर्मा ने शैक्षिक परिषदों की अवधारणा, स्वरूप और उनके कार्यों पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा प्रतिभागियों से संवाद किया। इस अवसर पर मालवा प्रांत के संगठन मंत्री श्री योगेश शर्मा, प्रांत अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सह मंत्री तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रभारी श्री प्रकाश धनगर सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन, परिषदों की कार्यसंरचना सुदृढ़ करना एवं आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु कार्ययोजना निर्धारित करना है। कार्यशाला में विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों, समूह चर्चा एवं प्रस्तुति के माध्यम से प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उत्तर पूर्व क्षेत्र की स्तरानुसार शैक्षिक परिषदों की क्षेत्रीय कार्यशाला

पटना। विद्या भारती बिहार उत्तर पूर्व क्षेत्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय शैक्षिक परिषद् बैठक का आयोजन 24-26 नवम्बर 2025 तक पटना स्थित विद्या भारती प्रेम कुंज, कदमकुआँ में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्या भारती अखिल भारतीय के महामंत्री श्री देशराज शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। मंच पर उनके साथ क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम और क्षेत्रीय मंत्री श्री रामअवतार नारसरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दक्षिण बिहार के प्रदेश सचिव श्री प्रदीप कुमार कुशवाहा ने किया, जबकि अतिथियों का परिचय झारखंड के सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा ने कराया। अखिल भारतीय महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने “विद्या भारती की परिषदें—स्थानुसार” विषय पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने संगठन की कार्यप्रणाली, लक्ष्य और भावी शैक्षिक दिशा पर प्रकाश डाला।

बैठक में शैक्षिक सुधार, नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, गुणात्मक विकास और आगामी शैक्षणिक वर्ष की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर संगठन के कार्य को और सुदृढ़ करना है।

विद्या भारती का अखिल भारतीय संस्कृति मेला

सीतामढ़ी | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति मेला का आयोजन 5 से 7 नवम्बर 2025 तक सीतामढ़ी के माता जानकी के जन्मस्थल एवं लक्ष्मणा नदी तट स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, रिंगबांध में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

महोत्सव का शुभारंभ वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए अखिल संस्कृत बोध परियोजना के संयोजक श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित ने कहा कि विद्या भारती पूरे भारत में भैया-बहनों में भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं जीवन मूल्यों के प्रति गर्व जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह सांस्कृतिक ज्ञान परीक्षा एवं महोत्सव का आयोजन करती है।

मुख्य अतिथि श्री किशोरी शरण मधुकर ‘मुठिया बाबा’ ने कहा कि यहां भारतीय संस्कृति का प्रत्यक्ष स्वरूप देखने को मिलता है। विद्या भारती केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि संस्कार, परंपरा और भारतीय जीवनदर्शन भी प्रदान कर रही है।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंदचंद्र महंत ने कहा कि विद्या भारती भारतीयता और राष्ट्रभावना से युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

समारोह की अध्यक्षा श्रीमती साधना भंडारी (उपाध्यक्ष, विद्या भारती) ने सभी प्रतिभागियों को विजयी होने का आशीर्वचन देते हुए कहा कि “तालियाँ केवल दूसरों के लिए नहीं, स्वयं के लिए भी बजनी चाहिए। आपका लगन और परिश्रम ही आपको इस मंच तक लेकर आया है।”

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ व प्रतियोगिताएँ

विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा माता जानकी के प्राकट्य एवं सीताराम विवाह पर आधारित गीत और नृत्य की सुन्दर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

मंच पर आयोजित प्रतियोगिताओं में शामिल थे—

- तात्कालिक भाषण
- कथा-कथन
- संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच
- मूर्तिकला निर्माण
- लोकनृत्य प्रस्तुतियाँ

प्रतिभागियों को संस्कृति वार्ता के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं से भी परिचित कराया गया।

लोकनृत्य एवं प्रदर्शनी का आकर्षण

5 एवं 6 नवम्बर की संध्या माता सीता की आरती के साथ प्रारम्भ हुई रंगारंग लोकनृत्य प्रस्तुतियों से सजी रही। भारत के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भारतीय कला, लोक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को अत्यंत मनोहारी रूप में मंच पर प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम स्थल पर देहाती हाट एवं प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें मिथिला चित्रकला, हस्तशिल्प, पारंपरिक खान-पान और धार्मिक ग्रंथों का संग्रह सराहनीय था।

परिणाम एवं पुरस्कार

देशभर से कुल 263 विद्यार्थी और 111 आचार्य-दीदी इस आयोजन में सम्मिलित हुए। परिणाम इस प्रकार रहे—

प्रथम स्थान - उत्तरपूर्व क्षेत्र
द्वितीय स्थान - पश्चिम उत्तर प्रदेश
तृतीय स्थान - पूर्वी उत्तर प्रदेश

जारी ...

समापन समारोह

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री कृष्णनंदन सिंह (एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, पटना उच्च न्यायालय) थे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता मा. यतीन्द्र कुमार शर्मा (अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री) ने कहा, "संस्कृति जीवन जीने की कला है। संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है। इसके संरक्षण हेतु शास्त्र और शस्त्र दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।"

धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के सचिव श्री कुलवीर शर्मा द्वारा किया गया।

यह आयोजन भारतीय संस्कृति की संवाहक पीढ़ी को प्रेरणा, ज्ञान एवं गर्व से जोड़ने वाला अविस्मरणीय सांस्कृतिक उत्सव सिद्ध हुआ।

गुरु तेग बहादुर जी का 350 वां प्रकाश वर्ष (शहीदी दिवस)

विद्या भारती के सभी विद्यालयों में गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

विद्या भारती के सभी विद्यालयों में सिख धर्म के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना और प्रकाशोत्सव की भावना के साथ की गई। विद्यार्थियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, उनके त्याग, परोपकार और धर्म एवं मानवता की रक्षा हेतु दिए गए महान बलिदान पर आधारित भाषण, कविता और भजन प्रस्तुत किए। शिक्षकों ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी ने समाज में धार्मिक स्वतंत्रता, सत्य, बलिदान और मानवाधिकारों के लिए अपना जीवन अर्पित किया और इसी कारण उन्हें "हिंद की चादर" कहा जाता है।

कार्यक्रम के अंत में गुरु जी को नमन करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया और सभी विद्यार्थियों को उनके आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प दिलाया गया।

हमें गुरु तेग बहादुर जी के जीवन से अपने देश-धर्म पर बलिदान होने की प्रेरणा मिलती है - छाबड़ा

विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा संचालित

समर्पण और सेवा का सम्मान

श्रीमती बैनिंग बिस्वकर्मा जेरांग को जनजातीय गौरव सम्मान 2025

कोकराझार, असम | 15 नवंबर 2025 | अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जिले स्थित KGBV मिरम की प्रधान अध्यापिका श्रीमती बैनिंग बिस्वकर्मा जेरांग को उनके लंबे समय से जनजातीय शिक्षा, बालिका उत्थान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनजातीय गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कृष्ण चंद्र गांधी फाउंडेशन (पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति, असम) द्वारा प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में श्री उल्लास कुलकर्णी (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) और श्री ब्रह्माजी राव (राष्ट्रीय सचिव, विद्या भारती) सहित विभिन्न गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के चार अन्य समर्पित कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

विद्या भारती से 2006 से जुड़ी श्रीमती जेरांग पिछले 19 वर्षों से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में बालिका शिक्षा, संस्कार संरक्षण तथा समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उनके नेतृत्व में KGBV मिरम विद्यालय क्षेत्र में एक आदर्श संस्था के रूप में उभरा है।

जनजाति गौरव दिवस पर पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति का आयोजन

कोकराझार, असम | पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा कोकराझार स्थित साइंस कॉलेज के नीलकमल ब्रह्म सभागार में जनजाति गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री बसंत अग्रवाल ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और वंदना से हुई। तत्पश्चात बाथौ विद्या निकेतन की छात्राओं द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर 19वाँ कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार बोडो समाज के महान सामाजिक एवं आध्यात्मिक सुधारक गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म से प्रेरित गुरुदेव कालीचरण ब्रह्म ट्रस्ट, कोकराझार को प्रदान किया गया। पुरस्कार में ₹1,00,000 की राशि और सम्मान स्मृति शामिल थे।

मुख्य अतिथि डॉ. देबब्रत दास (उच्च शिक्षा सलाहकार, असम सरकार) ने पूर्वोत्तर में जनजातीय शिक्षा के सशक्त होते स्वरूप पर अपने विचार साझा किए।

जारी ...

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित बीटीसी सदस्य श्री देरासात बसुमतारी ने विद्या भारती को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।

इस उपलक्ष्य में पूर्वोत्तर के पाँच विशिष्ट व्यक्तियों को जनजातीय गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया:

1- श्रीमती अप्रोमी होजाई (दक्षिण असम)

2- श्री अशोक बसुमतारी (उत्तर असम)

3- श्रीमती बैनिंग बिस्वकर्मा जेरांग (अरुणाचल प्रदेश)

4- श्री गोलमई दिकोय रोंगमई (नागालैंड)

5- श्री सती गिरी डखार (मेघालय)

राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में जनजातीय संस्कृति संरक्षण, शिक्षा विस्तार और आत्मनिर्भरता के पथ को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। लगभग 500 प्रतिभागियों की उपस्थिति में कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक

कुरुक्षेत्र | विद्या भारती उत्तर क्षेत्र की कार्यकारिणी बैठक का शुभारम्भ आज संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में हुआ। बैठक के उद्घाटन सत्र में मंच पर उपस्थित प्रमुख अतिथिगण:

- श्री देशराज शर्मा जी — अखिल भारतीय महामंत्री
- श्री सुखराज सेठिया जी — क्षेत्रीय अध्यक्ष
- श्री दिलाराम चौहान जी — क्षेत्रीय महामंत्री
- श्री विजय नड्डा जी — क्षेत्रीय संगठन मंत्री

बैठक का उद्देश्य शैक्षिक, संगठनात्मक योजनाओं और आगामी कार्यों की समीक्षा एवं दिशा निर्धारण रहा।

"देवपुत्र" के विशेष संघ परिचय अंक का अवलोकन

इंदौर | राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय जी होसबाले ने प्रेरक बाल मासिक "देवपुत्र" के संघ शताब्दी वर्ष विशेष संघ परिचय अंक का अवलोकन किया और प्रसन्नता व्यक्त की। यह अंक सरस्वती बाल कल्याण न्यास के अध्यक्ष डॉ. कमलकिशोर चितलांग्या, प्रबंधन्यासी सी.ए. राकेश भावसार, संपादक श्री गोपाल माहेश्वरी और प्रबंध संपादक नारायण चौहान द्वारा भेंट किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र कार्यवाह श्री अशोक जी अग्रवाल, प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश जी शास्त्री, प्रांत कार्यवाह श्री विनीत जी नवाथे सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि "देवपुत्र" का यह विशेषांक देशभर में लगभग पौने दो लाख प्रतियों में वितरित किया जा रहा है।

विद्या भारती का गौरव: चिकित्सा सेवा में राजस्थान के पूर्व छात्र
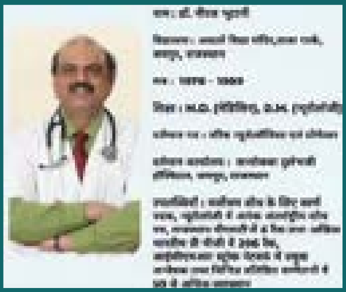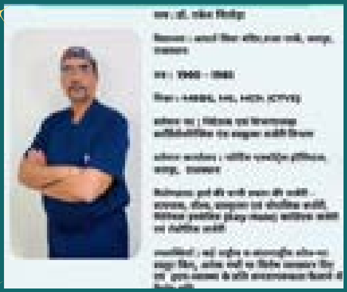
विद्या भारती, राजस्थान के पूर्व छात्रों ने कठिन परिश्रम और अनुशासन के दम पर MBBS में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर संगठन और समाज का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय में प्राप्त संस्कार और मूल्य आधारित शिक्षा ने उन्हें संवेदनशील, सेवाभावी और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत चिकित्सक बनने की दिशा में प्रेरित किया है।